

Fragile Palm Leaves

MS No 5566

Room 2B

unidentified





[illegible]

[illegible]



[illegible]

29

600

Handwritten text in a cursive script, likely a manuscript or letter. The text is written on a single sheet of paper with horizontal lines. The script is dense and fills most of the page. There are some dark spots or ink blots visible on the paper, particularly in the middle section. The text appears to be in a historical or religious context, possibly a prayer or a formal letter.

5

663

Ω

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a manuscript. The text is written in a single column and appears to be a continuous passage. The script is dense and flowing, characteristic of historical cursive handwriting. The text is written on a light-colored, aged paper with some visible texture and slight discoloration. The ink is dark, and the lines of text are closely spaced. The overall appearance is that of a historical document or a page from an old book.







and

and

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a continuous narrative or record. The script is dense and characteristic of early modern European handwriting. The document is divided into two main sections by a horizontal line. The first section contains approximately 10 lines of text, and the second section contains approximately 10 lines of text. The text is written in a dark ink on aged, slightly discolored paper. There are some small, dark spots or stains on the paper, particularly in the middle section. The overall appearance is that of a well-preserved but aged historical document.

9

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, slightly discolored paper. The script is dense and fills most of the page, with some lines showing signs of fading or wear. The text appears to be a continuous narrative or record, possibly related to a legal or administrative matter, given the formal nature of the handwriting and the presence of some larger, more prominent characters that might serve as section markers or initial letters. The overall appearance is that of a well-preserved but aged piece of historical writing.

9

9

2

၁၂၃၄၅၆၇၈၉၁၀၁၁၂၁၃၁၄၁၅၁၆၁၇၁၈၁၉၂၀၂၁၂၂၂၃၂၄၂၅၂၆၂၇၂၈၂၉၃၀၃၁၃၂၃၃၃၄၃၅၃၆၃၇၃၈၃၉၄၀၄၁၄၂၄၃၄၄၄၅၄၆၄၇၄၈၄၉၅၀၅၁၅၂၅၃၅၄၅၅၅၆၅၇၅၈၅၉၆၀၆၁၆၂၆၃၆၄၆၅၆၆၆၇၆၈၆၉၇၀၇၁၇၂၇၃၇၄၇၅၇၆၇၇၇၈၇၉၈၀၈၁၈၂၈၃၈၄၈၅၈၆၈၇၈၈၈၉၉၀၉၁၉၂၉၃၉၄၉၅၉၆၉၇၉၈၉၉



60

3

600

609



CC=



66

64

9

9





2

[illegible]

50



101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

600

စာသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာ
ဟာတိစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာ
တတသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာ
ကာလကသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာ
တိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာ
စာသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာ
ရှုပုံစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာ
တသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာစာသံဝေရာမဟိန္ဒကာ

9

9





33

9.





55

22

၆၇

အထပ်ရဘာရကကိယုဗ္ဗမိရာဝတ္ထုနံကမ္မံ ခာလံမမောဓုအထပ္ပကျာတာရကကိယုဗ္ဗမိရာဝတ္ထုနံကမ္မံ ခာလံမမောဓု
စရသိကျာပဝါရိဝကယရိဝတ္ထုနံကမ္မံ ခာလံမမောဓုအထပ္ပကျာတာရကကိယုဗ္ဗမိရာဝတ္ထုနံကမ္မံ ခာလံမမောဓု
သပ္ပပရေသုဝေဝိတာဗ္ဗောယသပ္ပာဝယသဝါသမိကျာပဝါရိဝကယရိဝတ္ထုနံကမ္မံ ခာလံမမောဓု
ရေဝတ္ထုဝေပျိဘိက္ခဝရပုလ္လကဝိကာပုဗ္ဗေဝေ ဟာဝိသိကျာဝပပ္ပကျာတာရကကိယုဗ္ဗမိရာဝတ္ထုနံကမ္မံ ခာလံမမောဓု
ဗြဟ္မာဝိသိကျာဝပပ္ပကျာတာရကကိယုဗ္ဗမိရာဝတ္ထုနံကမ္မံ ခာလံမမောဓု
ဓာဝါဇဝပေတာဗ္ဗိဓာဝတ္ထုယသဝပဝေဝိသစေဓာရာဝာသေကပပ္ပကျာတာရကကိယုဗ္ဗမိရာဝတ္ထုနံကမ္မံ ခာလံမမောဓု
စရသမာဝတ္ထုဂါဝိသဝတ္ထုပဝါရိဝကယရိဝတ္ထုနံကမ္မံ ခာလံမမောဓု
ပရိယတ္တုနံကမ္မံ ခာလံမမောဓု

50

50

ယသိကကံစန္ဒကကထာစရဒကကဏ္ဍတ္တံ၊ ဂဟောက္ခာဟိရဝိသမန္တောဗျာနိစ္စကာလံသောတဗ္ဗံ၊ ဘေဒသံဝုတ္တရံယသိကဗ္ဗန္တံ၊ ဇေဝိဝိသမဂရုကာနံဘိက္ခုနကာလေကကဝိဝသံဗ္ဗမတိသမ
တ္ထေရာယဟာပရဗ္ဗတ္ထရုပ္ပမုဝိ၊ ဗျန္တုန္တုန္တုန္တု၊ ဝိသိကာသတဘနုပဗ္ဗမပါ၊ ရာဇိကာသိက္ခာပဇ္ဇေပံပဇ္ဇေယံဝုတ္တန္တုန္တု၊ နိဗ္ဗာနာဟောတိ၊ တံဘဒ္ဒန္တဝိ၊ ဝိသိကာပုတ္တိသု၊ ဘဒ္ဒန္တယောက္ခယေဒုတေယျသိ
တေပါ၊ ရာဇိကံယောက္ခယေဒုတေယျသိတေထုပ္ပတ္တိယံဗ္ဗမပဗ္ဗမသိတေကကနာဝိတဗ္ဗန္တံ၊ ထေရောဘာဟံ၊ ဘဒ္ဒသုသောဝုတ္တု၊ ဘဒ္ဒန္တကမပါ၊ ရာဇိကံပညာပေတ္တန္တု၊ နသောဝသေသံကာက္ခာပညာပေတ္တိ
စန္ဒဝသေသံကာက္ခာသဗ္ဗပရိယာသိယိက္ခာ၊ သောတံဝိသိက္ခာမပါ၊ ရာဇိကာပတ္တုသ္မိပါ၊ ရာဇိကာပေဝပညာပေတ္တိ၊ ဗျုတ်ပိသိက္ခာ၊ ပဇ္ဇေယောကကန္တု၊ နပဏ္ဍိတ္တိဝန္တုတာသ္မာယသိဗ္ဗ
ပဗ္ဗကယသိတပါ၊ ရာဇိကံဘာဇေယျပညာပေတ္တိ၊ သဗ္ဗသဗ္ဗာသဗ္ဗန္တု၊ ဟိ၊ ရာဇိကာတ္တုယာပဇ္ဇေတ္တု၊ နိဗ္ဗာနသတိ၊ ထုပ္ပတ္တိယသမေဝဓိသမ၊ တိတိ၊ ဘေဝိမတသသရိရေပါ၊ ရာဇိကံပညာ
ပေတ္တု၊ ဘာဂဝိ၊ သောက္ခယေဒုတေယျသိတေဝေသိတေတာပရိပါ၊ ရာဇိကံနတ္တိတိ၊ နသောက္ခုထုပ္ပတ္တိယံပညာပေတ္တု၊ သောက္ခယေဒုတေယျသိတေဝေသိတေတာပရိထုပ္ပတ္တိယံ၊ နတ္တိတိ၊ နသေ
တုတ္တိ၊ ဝေဝိတဗ္ဗံ၊ နသိတကသသိတဗ္ဗုရာမေတံမတသရိရသ္မိ၊ ယဝဇေဝိတဗ္ဗံ၊ နသိမာရေ၊ ဝေဝိမာရေပာ၊ နသိဗ္ဗိဗ္ဗမာရေထဝိတိ၊ မသေဝိ၊ နာရှုမိတိ၊ သတိပါ၊ ရာဇိကာပေဝဟောတိ၊ ယဝဇေဝိဗ္ဗိ
သဗ္ဗိသောဓယိတံဝေဝိဗ္ဗိ၊ နတ္တိ၊ နိဗ္ဗာနသဗ္ဗာနုပညာယသိပဇ္ဇေသနိဇာယတိ၊ ဟိ၊ ရာဇိကာပေဝဗ္ဗိ၊ သဗ္ဗာနုပရုဒသယေသောက္ခာသဗ္ဗဗ္ဗိ၊ နာတုတ္တု၊ သဗ္ဗံ၊ ဘာတုတ္တု၊ နတ္တိ

9

၁၇

၁၇
၁၈
၁၉
၂၀
၂၁
၂၂
၂၃
၂၄
၂၅
၂၆
၂၇
၂၈
၂၉
၃၀
၃၁
၃၂
၃၃
၃၄
၃၅
၃၆
၃၇
၃၈
၃၉
၄၀
၄၁
၄၂
၄၃
၄၄
၄၅
၄၆
၄၇
၄၈
၄၉
၅၀
၅၁
၅၂
၅၃
၅၄
၅၅
၅၆
၅၇
၅၈
၅၉
၆၀
၆၁
၆၂
၆၃
၆၄
၆၅
၆၆
၆၇
၆၈
၆၉
၇၀
၇၁
၇၂
၇၃
၇၄
၇၅
၇၆
၇၇
၇၈
၇၉
၈၀
၈၁
၈၂
၈၃
၈၄
၈၅
၈၆
၈၇
၈၈
၈၉
၉၀
၉၁
၉၂
၉၃
၉၄
၉၅
၉၆
၉၇
၉၈
၉၉
၁၀၀

9



2

9.

ရောဂါဝေဒနာတို့ကို သိသောသူတို့သည် ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။
ပဏာရောဂါဝေဒနာတို့ကို သိသောသူတို့သည် ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။
သောတို့ကို သိသောသူတို့သည် ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။
တို့ကို သိသောသူတို့သည် ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။
ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။

ဂါထာဂါထာ

ရောဂါဝေဒနာတို့ကို သိသောသူတို့သည် ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။
သောတို့ကို သိသောသူတို့သည် ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။
တို့ကို သိသောသူတို့သည် ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။ ဤသို့ ခံစားရသည်။

23

25

[illegible]

2



6000

σ^2

$$3 =$$

00



Scor



99

[illegible]





6000

[illegible]

2



88

9

[illegible]

○

615

67

[illegible]

१३

5

657

35

9

၆

ကတ္တုစေတနာကတကဟပသဟါရာဇိကံမောဟတိတိ။ မဟာဟပဗ္ဗ။ သဟာသံကောဝုတ္တံ။ ခဏတိဂ္ဂုဏ်မ္ဘိရတကာဝံဓာယာမဝိပ္ပကာရတောစသကိတိဉာပမာကောဓပေတုာတရေတုာ
ပုပ္ဖိတုာသံသုပ္ပယာခွစ္ဆရန္တသံသုပ္ပိဇ္ဇာပိကောစသတ္တသဟာစရစေတိနာမဋ္ဌ ၂၈ ၃ မုဖလသသဝိသဟသစေပိဝိသံသဟသယဗာဗ္ဗ။ သမုပတိတုာမာဝသသံမရကကသဗ္ဗောဟောတိသဝ္ဗိဉာပ
ကံစေတနာပေသဝိရာဇိကံမ္ဘိမဟာပစ္စရိသံပရသစေပိဝိဋ္ဌကတကယသံဗ္ဗမသ္မိဗာဝိ။ နုပတိတုာမုသံသတိတိဇကသ္မိပိကုဇ္ဇာလပ္ပဟာရေဓိ။ သစေကောစိတတ္ထပဏ္ဍလိတောပတိတုာ
မရတိပိရာဇိကစေဝသတ္တံဋ္ဌိကတ္တောဟပရသ။ ဋ္ဌိဉာပကစေတိဂ္ဂကုဋ္ဌိတိဝုတ္တံ။ ပကောတြိသံ ၂ တံခကိတုာစသသုကံဇာ။ ခဏရေတုာဗ္ဗမပါတောတုာမာပောတိ
စသုဉာကကပေတိသောတံဟါတောတုာ။ မာရေတိဉ္ဇတိဋ္ဌိပိရာဇိကံစေသံ ၂။ တတုာမာရေတိ။ သယံပတိတုာမရ။ တိစသောစသတ္တောဓမ္မတကယပတိတုာ
မရတိသပ္ပပ္ပဝိသစကိတောတောတိ။ မုလဗ္ဗောမုစ္ဆတိစသ။ ဣာစသုကံဓာာတုာဗ္ဗမာရေသတိတိ။ မတေဟိဇသေဝဓယာယေမရိတုကာမာဗ္ဗမရိသံသုဋ္ဌိတိမတတိဇ
ကသသမရကောပိရာဇိကံမဟာဋ္ဌိမရကောစသကုသလရာသိ။ မာတကာပိဝုဋ္ဌိ။ ပရေကောစသုဋ္ဌိ။ ရိသံသုဗ္ဗဗ္ဗယံ ၂။ ဝိဋ္ဌိယံဝတ္ထုသုထုဗ္ဗဗ္ဗယံ ၂။ ဝိဋ္ဌိယာမုယေကောစိမာရေတိကကမာ
တောဗ္ဗမပါတောတုာမာရေသုဋ္ဌိတိဝကတိတတ္ထပ ၂။ တောတုာဟပေဋ္ဌိမုဇ်။ သိ။ မတေဟိရာဇိကံ။ မဟာသုဓာကုသလရာသိ။ မာဋ္ဌိရိယာဝိဝတ္ထုသုထုဗ္ဗဋ္ဌိရိယာဝိ။ နုစေဝစာရတ

00

60

66

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be in a European language, possibly German or Dutch, given the use of characters like 'v' and 'w'. The script is dense and fills most of the page.

35

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries, possibly related to a legal or administrative record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language and script.

150

505

9

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written on a single sheet of paper with two visible holes, suggesting it was once part of a bound volume. The script is dense and fills most of the page.

4

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a continuous narrative or record. The script is dense and characteristic of early modern European handwriting. The document is aged, with visible wear, including two dark circular holes and some staining.

[illegible]



665

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, slightly discolored paper. It appears to be a continuous passage, possibly a letter or a record, with some lines showing signs of fading or wear. The script is dense and fills most of the page.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written on a single line across the page, with some ink bleed-through visible from the reverse side. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language or dialect.

10

033

3

29

62

6000

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to contain multiple lines of handwritten script.]

655

[illegible]

g

9

9

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

2

69

သယံဇာတတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌
ကိစ္စတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌
တရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌
ဓမ္မတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌
ရောဂါမောတိပဟိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌
ယောဇာတကရတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌
ဘာဝရတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌ ယထာဓိကတရား၌
တရားမဟုတ်ဘဲ

[illegible]

63

[illegible]

9

[illegible]

٢٥

[illegible]

[illegible]



2

2

[illegible]



8

9

3



$\alpha =$

9

2021



သယံဇာတသစ်တို့ကို ဝယ်ယူရန် အတွက် အစီအစဉ်ချမှတ်ထားပြီး ဝယ်ယူမှုများကို စတင်ပြုလုပ်ခဲ့ပါသည်။ ဝယ်ယူမှုများကို အစီအစဉ်ချမှတ်ထားပြီး ဝယ်ယူမှုများကို စတင်ပြုလုပ်ခဲ့ပါသည်။

20.

33

65

3

6333

end

55

22

[illegible]

၆၆

တိပရိဘောဂါဒယောပိဝဋ္ဌ ခိန္နပရောဇယောတာထေဝ္ဋဝိဝရောနိဂေကာယဟာဘာဝံသန္နိတိဘာသန္နိတိဘာဘာဝံဉာဏာဗာသေသဝဘိက္ခုရောသုဒ္ဓိဂေကာဗ္ဗပိဝရန္တိဝါဗ္ဗမာနိဝိဝရောနိတိဘာဝံ
ဝေတာဝိဝရန္တိဝါဝေတာနိဝိဝရောနိတိဝိဝဏ္ဏာပဉ္စသုသဟာဓဗ္ဗဂေကာသုဓာသတရဒ္ဓသဓာဓဉ္စာနာဓာဘိဗ္ဗတိဘာသသယသသကာသသဝိရာမံဂဟောတဘာဝဘိသသသဘိက္ခုရောဝိကာဗ္ဗပိဝိဝါတိသသ
ယဘိက္ခုနိယာသသိက္ခမာနာယသဟာဓဂေကာရသသတိသသဟာသသဟာဓဂေကာရိယာဝိကာဗ္ဗပိဝိဝဏ္ဏာဗ္ဗံဓဿသိရောပိသမုဘိဝိကာဗ္ဗနာဓတ္တာယဘာနိဂေတုဝဋ္ဌတိပရိဘောဂါဒိသုပရဂေကာပိဒုဋ္ဌ
တိဂေတုပရတိက္ခုနာတိသသသဘိက္ခုရောသုဓဿတိသဟာယသသကာနိယဘာသုဓကံပရိဘာဝတိဝိသသဇ္ဇေဟိဝါယဝတာပဉ္စယဝိကာရောဟိတိဝဋ္ဌာပဉ္စာရောနာဓဟောတဘိဘာဝတဘိ
ပဘာတိပရိဘောဂါဒယောပိဝဋ္ဌတိဂေကာဝိပရိမုဘိဝိကာဗ္ဗနာဟောဓဇ္ဇိဝိဝရောနိတိဘာဝေဝဂေကာယဟာဘာဝံသန္နိတိဘာသန္နိတိဘာဘာဝံဉာဏာဗာသေသဝဘိက္ခုရောသုဒ္ဓိဂေကာဗ္ဗပိဝရန္တိဝါဗ္ဗမာနိဝိဝရောနိတိဘာဝံ
တိဝိဝရန္တိဝါဝေတာနိဝိဝရောနိတိဝိဝဏ္ဏာတုယုဝိကာဗ္ဗဉ္စာယသမုဘိဝဏ္ဏာဗ္ဗံဓဿသိရောပိသမုဘိဝိကာဗ္ဗနာဓတ္တာယဘာနိဂေတုဝဋ္ဌတိပရိဘောဂါဒိသုပရဂေကာပိဒုဋ္ဌ
က္ခတိဝါယဝတိသဟာယသဟာဓဂေကာရိယာဝိကာဗ္ဗပိဝိဝဏ္ဏာဗ္ဗံဓဿသိရောပိသမုဘိဝိကာဗ္ဗနာဓတ္တာယဘာနိဂေတုဝဋ္ဌတိပရိဘောဂါဒိသုပရဂေကာပိဒုဋ္ဌတိဂေတုပရတိက္ခုနာတိသသသဘိက္ခုရောသုဓဿ
နာဓတ္တာဝတာနိဂေတုဝဋ္ဌတိပရိဘောဂါဒိသုပရဂေကာပိဒုဋ္ဌတိဂေတုပရတိက္ခုနာတိသသသဘိက္ခုရောသုဓဿသမုဘိဝိကာဗ္ဗနာဓတ္တာယဘာနိဂေတုဝဋ္ဌတိပရိဘောဂါဒိသုပရဂေကာပိဒုဋ္ဌ



[illegible]

$$S_{\text{eff}}$$

[illegible]

[illegible]

ပြောပစ္စည်း

603

[illegible]

Sc



7

[illegible]



m^o

67

[illegible]

3

666

9

3

[illegible]

9



9

[illegible]

3

663

23

22

2

[illegible]

ပစ္စယတ္တဇာနည်ပတ္တိ၊ ခဿာပစ္စယဟာတိက္ကမ္မပစ္စယဟာပရဇာပတ္တိရက္ခန္တေဒ္ဓုရိကာပ္ပပပမာဏာမမေတ္တာဝိတောတုံတေဒ္ဓုရိတံပေဝဝဘေဓိဋ္ဌာတံဗ္ဗေခဿာဟာတိက္ကမေဒ္ဓိဋ္ဌာယယ
မာဓုဗ္ဗိသယဋ္ဌိယံဘာဝေယျာတိ၊ နာဇာဏာဒိဟာတံဓုဇာနောပေတံဘာတုဗ္ဗာကံဘာဋ္ဌန္တေဒ္ဓိဝရံရံဂဏေယျယျာတိ၊ နိယာဒိတောပိဇေဝဝရပေတံသဝေတောဒ္ဓုရိယောဇေဝပယောဇေ
တက္ကဝါသယံဒိတုဏာဓောဝါဟုတုဘာဝဟံဘာဋ္ဌန္တေဒ္ဓိဗ္ဗာကံဗိဝရံဘသုကံဒိဝသေဇာမဝါယိတုဘာဝပေယောမိတံဝဘာတိက္ကမေတောဒ္ဓုပရိတ္တေဒ္ဓိဝသတေတံခဿာဟံဘာဝတိက္ကမေ
တံဓုသယဋ္ဌိယံပိဗိတ္တိယံသုစေပရတံဒ္ဓုရိယော ဘာဟံတုဗ္ဗာကံဗိဝရံဝါယိတုဘာသယံဓုပေသေယောမိတံဝတုဘာတေဝ ဝကောဇောတိတောပေသတိတံဘိက္ခုပရောသယ
ဘိက္ခုဇောဓုဇာနောဇေတံဓုဇောသုတုဘာ ဝါဒိသ္ဗာဝါတုဗ္ဗာကံဘာဋ္ဌန္တေဒ္ဓိဝရံဓုဋ္ဌိတံဓုဇာနောဇေတံဇောသယဘာ ဇောဓုဗ္ဗမာဏံယဝါပဇောဒ္ဓုပေသတိတော
ပေဝဘာဇောဇေတံတံသယဇေဝဓုသုတံဗိဝသ တောယဋ္ဌာယခဿာဟံဘာဝတိက္ကမယတောဓုသယဋ္ဌိယံပိဗိတ္တိယံဇေတောဒ္ဓုရိယောဘာဟံတုဗ္ဗာကံဗိဝရံဝါယိတုဘာကံသယ
ဗိဟာတ္တပဟိကာသယာပိတံဝတုဘာတေဝဝကောဇောတံဗိဝရံဂဏေတုဘာဂတတိက္ကမပရဇာတ္တဇောပရိဝကောဋ္ဌပေတုဘာတံသယဓုဇာနောဇေတံဇောသုတုဏာဗိဟာဏာတိဘာဝိဘာ
ဋ္ဌန္တေဒ္ဓိဗ္ဗာကံဗိဝရံသုဓုရိတံဓုဗ္ဗာကံဓုဇောသုတုဗ္ဗာကံဗိဝရံဓုဋ္ဌိတ္တဇာမသယဟာတ္တပေသတံဓုဇောသယပိဝရံဓုပမာဓုယံဝါပရသောဘိက္ခုဗိဝရံဇေတံသုဓုဝသတောပဋ္ဌာယခဿာ

7

6

[illegible]

၆၅၃



9.

[illegible]

• ပေတ္တဝတ္ထုနုပေဝါ တိတိသမ္ပတ္တနုကာယဝါဝါဇာဝိတ္တတောသမ္ပတ္တ
• တိကာရိယာသပသာဝိမောက္ခသမ္ပတ္တကံလောကဝဋ္ဋိကာယဇာဗ္ဗဝိကာဗ္ဗ
• ဇာကုသလဝိတ္တတိဝဇ္ဇိန္ဒြိယ • သမ္ပတ္တိယာဇာကုယဝိယသမ္ပတ္တ
• နာယပရိကာတသိက္ခာပဇ္ဇဝတ္ထုနုတ္တိတော • ဇာကုရာဇကဗေက
• ဗုဒ္ဓဗုဒ္ဓသမ္ပတ္တိယာတသ္မာဟံပက္ခိတောဟိသောလိက္ခယုဝိဇ္ဇာ
• ဗုဒ္ဓိယ • ဗိမုဘာဒ္ဓိပြုစုဝါလိဝိဇ္ဇာ • ဇာရေသောဇာကုဝိဇ္ဇာ
• မှာလဝိဇ္ဇာသမ္ပတ္တိက္ခေ • ကျေးမာလဝိဇ္ဇာ • ကုဇ္ဇသမ္ပတ္တသမ္ပတ္တိ

၁၁၅

စာပေါ်တော်စာ: အဗျဝေပါဏ်အဗျရကျသည့်ဖြစ်စေသော။ သင်္ကြာ
ဗုဒ္ဓရတနာပိုင်ဝိညာဓိ ကျယ်လှစေဘိ။ စေတနာစေတနာသို့သွက်တိကျတော်
ပါရာဇိကဏ်အဗျကထာပါတော်တော်ကျဝိရေမျှမြှင့်စိုပါမြှင့်စိုရာအစွန်
ကြောင့်အစေတနာ၊ နှစ်စေတနာဖြစ်ပါသည်။ စာစီယကာစာစီယ
သို့မောဃ်ကောဓ်မျှဖြောင့်သောရေမှစတင်စေသော။

